

**कृतस्य तु :** सामाजिक भावाविज्ञान र मर्गभावाविज्ञान साहजक

सकल सुखदुःखः : काशानकर

कौशिक, गुरुका कालमा ४४५० : ४५०९

लाम्भुमावर्जि : अवर्जि

© :: प्रकाशकभा

१३०८, मङ्गल : ११८८३९  
०९०८, जतिघी

ମୂଲ୍ୟ : ୫.୨୫୦/-

**दृष्टान्तिक**, **‘इह’** : **अत्रिह** दृष्टान्तक  
**३२४६६६४** : न नन